Title of the Project: Training programme on "Logging and Timber grading skill upgradation"
Why this Project:-

वर्तमान परिवेश में वनों का महत्व सभी को दृष्टिगोचर हो रहा है। वनों का मानवीय जीवन से सीधा संबंध है। अतः वनों के विनाष को रोकना, उनका संरक्षण एवं प्रबंधन महत्वपूर्ण है।

वनों के विकास के लिये वन वर्धन एवं प्रबंधन अति आवश्यक साधन है। वन वर्धन एक कला एवं विज्ञान है, जिसके द्वारा वनीकरण कार्य किया जाता है। इसी तरह वन प्रबंधन से वनों की वृद्धि एवं जंगली जीव जन्तु के मध्य एक अंतः क्रिया (Interaction) द्वारा समन्वय स्थापित होता है। जिससे पर्यावरण व्यवस्था प्राकृतिक रूप से अनवरत चलती है। चूंकि वानिकी कार्यों का मुख्य उद्देश्य वनों का संरक्षण एवं विकास होता है, इसी क्रम में विरलन व्यवस्था एक महत्वपूर्ण कार्य होता है क्योंकि बिना विरलन/काष्ठ दोहन व्यवस्था द्वारा वन संरक्षण एवं प्रबंधन का कार्य असम्भव है। काष्ठ दोहन के द्वारा प्राप्त उत्पादन को ही बाजार में विक्रय किया जाता है।

वानिकी दृष्टिकोंण से काष्ठ विदोहन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसके द्वारा न केवल पारिस्थतिकीय तंत्र को उन्नत बनाने में मदद मिलती है बल्कि वन विभाग को राजस्व भी प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त पुनरूत्पादन को भविष्य की मुख्य क्रॉप में परिवर्तित करने हेतु अनुकूल परिस्थितियां प्राप्त होती हैं जिससे भविष्य के वन बनाने में मदद मिलती है। विगत वर्षों में इमारती लकड़ी के मूल्यों में काफी वृद्धि हुई है और बाजार मांग की तुलना में उत्पादन में कमी होती जा रही है। अब समय आ गया है जब सही वैज्ञानिक तकनीक से दोहन कार्य कर अधिक उत्पादन किया जाए तथा दोहन के दौरान होने वाली छति को कम से कम किया जाए।

काष्ठ विदोहन की प्रक्रिया को विभिन्न चरणों, जैसे विदोहन किये जाने वाले कूप का सीमांकन, चिन्हांकन, विदोहन योजना तैयार करना, कटाई, लगुण, व्यापारिक काष्ठ वर्गीकरण, परिवहन एवं काष्ठागार प्रबंधन इत्यादि में संपादित किया जाता है। प्रक्रिया के अंतर्गत सभी कार्य महत्वपूर्ण होते हैं। अतः इन कार्यों को करने हेतु सक्षम व योग्य कर्मचारियों एवं मजदूर वर्ग की आवश्यकता होती है। इन सक्षम एवं योग्य कर्मचारी की व्यवस्था करना एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है अतः ऐसे कर्मचारियों को समय–समय पर शासन से प्राप्त निर्देशों/अधिनियमों एवं सम्पूर्ण काष्ठ विदोहन प्रक्रिया से अवगत कराने हेतु यह प्रशिक्षण/रिफ्रेशर कोर्स "Logging and Timber Grading Skill Upgradation" बनाया गया था।

कार्यविधि –

प्रशिक्षण कार्यक्रम दो चरणों 10 एवं 11 सितम्बर, 2024 तथा 18 एवं 19 सितम्बर, 2024 को राज्य वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित किया गया। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम राज्य वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित किये गये। इस प्रशिक्षण में निम्नानुसार कार्य सम्पादित किये गये –

- प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किया गया।
- काष्ठ विदोहन एवं निर्वर्तन हेतु समन्वित विभागीय दिग्दर्शिका की पठन सामग्री एकत्रित कर प्रशिक्षणार्थियों हेतु प्रतियां तैयार की गई।
- मुख्यालय द्वारा निर्धारित उत्पादन मंडलों एवं क्षेत्रीय वन मंडलों से सम्पर्क कर प्रशिक्षणार्थियों की सूची तैयार की गई।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों श्री एस.के.एस. तिवारी, सेवानिवृत्त वन संरक्षक, श्री एन.एस. बघेल, सेवानिवृत्त मंडल प्रबंधक एवं श्री अमित पाण्डेय, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर के व्याख्यान द्वारा सैद्धांतिक प्रशिक्षण, वीडियो, सामूहिक चर्चा एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षण कार्य सम्पन्न किया गया।
- प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

दोनों चरणों में उपस्थित वनमण्डलवार प्रशिक्षणार्थियों की संख्या निम्नानुसार है –

प्रथम चरण (10 एवं 11 सितम्बर, 2024)		
क्रं.	वनमण्डल का नाम	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
1	विदिशा सामान्य	3
2	दक्षिण पन्ना सामान्य	3
3	उत्तर पन्ना सामान्य	3
4	देवास सामान्य	3
5	रायसेन उत्पादन	3
6	छिंदवाड़ा उत्पादन	2
7	सिंगरौली सामान्य	3
8	दक्षिण सागर	3
9	दक्षिण शहडोल	4
10	टीकमगढ़	3
11	उमरिया	2
12	नरसिंहपुर वनमंडल	4
13	मण्डला पूर्व	2
14	अशोक नगर	1
15	उत्तर शहडोल	5
16	मंडला उत्पादन	3
17	अनूपपुर	5
	कुल संख्या	52

	द्वितीय चरण (18 एवं 19 सितम्बर, 2024)	
क्रं.	वनमण्डल का नाम	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
1	दक्षिण पन्ना सामान्य	2
2	उत्तर पन्ना सामान्य	3
3	जबलपुर सामान्य	3
4	दक्षिण शहडोल सामान्य	4
5	सिवनी उत्पादन	3
6	हरदा उत्पादन	3
7	खण्डवा उत्पादन	3
8	खरगौन सामान्य	2
9	पूर्व मंडला सामान्य	2
10	अनूपपुर	4
11	उमरिया	10
12	प.मण्डला	2
13	सतना (सामान्य)	3
14	मंडला उत्पादन	2
15	सीधी	3
16	भोपाल	1
17	इंदौर	1
18	नरसिंहपुर	3
19	उत्तर सागर	2
20	ग्वालियर	2
	कुल संख्या	58

प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रमुख झलकियां